नैक (NAAC) द्वारा "A" ग्रेड प्राप्त

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

जनसंपर्क विभाग- Ph./Fax: 07152-252651 मो.9960562305 इ-मेल: mgahvpro@gmail.com

वेबसाइट : www.hindivishwa.org

मानवाधिकार की अवधारणा पर कार्यक्रम का आयोजन

मनुष्यता की रक्षा हेतु मानवाधिकार जरूरी -प्रो. गिरीश्वर मिश्र

हिंदी विवि में विकास एवं शांति अध्ययन विभाग का आयोजन

वर्धा, 22 अक्तूबर 2016: मनुष्य के कर्तव्य के बिना मानवाधिकार की चर्चा संयुक्तिक नहीं हो सकती।

मानवाधिकार समाज में समानता की बात करता है, मनुष्यता की रक्षा करता है। समाज में स्वाभाविक रूप से

जो होना चाहिए वह नहीं होता इसलिए मानवाधिकार पर अमल करना जरूरी है। उक्त विचार महात्मा गांधी

अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने व्यक्त किये। वे विश्वविद्यालय के विकास एवं

शांति अध्ययन विभाग की ओर से मानवाधिकार की अवधारणा विषय पर आयोजित कार्यक्रम में अध्यक्षीय उदबोधन दे रहे थे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में सामाजिक कार्यकर्ता बसंतभाई तथा विभाग के अध्यक्ष डॉ. नृपेंद्र प्रसाद मोदी मंचासीन थे। यह कार्यक्रम संस्कृति विद्यापीठ के अंतर्गत गुर्रम जाशुआ सभागार में आयोजित किया गया था। इस अवसर पर मानवाधिकार कार्यशाला में सहभागी हुए प्रतिभागियों को कुलपति प्रो. मिश्र द्वारा प्रमाण पत्र भी प्रदान किए गये।

अपने उदबोधन में कुलपति प्रो. मिश्र ने कहा कि मानवाधिकार को सर्वजन अनुकूल बनाया जाना चाहिए। अलग-अलग घटनाएं और परिस्थितियों में मानवाधिकार के हो रहे उल्लंघन को रोका जाना आवश्यक है। समाज में बाजार के आकर्षण और बदलती परिस्थितियों से सामाजिक तथा आर्थिक दरी बढ़ रही है उसे पाटने के लिए समानता लाना जरूरी है। ऐसे में हमें चाहिए कि मानवाधिकार की समानता की मूल संकल्पना पर अमल करें।

इस अवसर पर बसंतभाई ने भी मानवाधिकार पर चर्चा की। विभागाध्यक्ष डॉ. नृपेंद्र प्रसाद मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि पिछले दिनों विभाग की ओर से मानवाधिकार पर आयोजित कार्यशाला में विभिन्न

वक्ताओं को निमंत्रित किया गया और इस कार्यशाला में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के विद्यार्थियों ने सहभागिता की। उन्होंने कहा कि विभाग मानवाधिकार की संकल्पना के बारे में विद्यार्थियों में जागरूकता लाने की दिशा में प्रयासरत है।

कार्यक्रम का संचालन विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. राकेश कुमार मिश्र ने किया। कार्यक्रम में विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. धूपनाथ प्रसाद, डॉ. मनोज कुमार राय, स्त्री अध्ययन विभाग की सहायक प्रोफेसर डॉ. अवंतिका शुक्ला सहित शोधार्थी एवं विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।